Demat 2.0: बॉन्ड का डिजिटल रूप, अधिकार और जोखिम वही

अर्थव्यवस्था | समाचार संदर्भ: 10 सितंबर 2026 | प्रकाशित: 17 अक्टूबर 2026

वित्तीय बाजार में नई तकनीक का मूल्य उसके नाम में नहीं, इस बात में है कि स्वामित्व का रिकॉर्ड, भुगतान और निवेशक के अधिकार अधिक भरोसेमंद ढंग से जुड़ते हैं या नहीं। टोकनीकरण के पायलट को इसी कसौटी पर समझना चाहिए।

खबरों में क्यों

20 अगस्त 2026 को SEBI ने कॉरपोरेट बॉन्ड के टोकनीकरण का पायलट निकट भविष्य में शुरू करने की बात कही थी। 10 सितंबर को Demat 2.0 पायलट के सफल आरंभ की आधिकारिक घोषणा हुई। उस दिन तक तीन कंपनियों के कुल ₹1,025 करोड़ के निर्गम बताए गए। ये उस तारीख की पायलट उपलब्धियाँ हैं, पूरे बॉन्ड बाजार का अनिवार्य रूपांतरण नहीं।

टोकन नया ऋण नहीं, रिकॉर्ड की नई तकनीक है

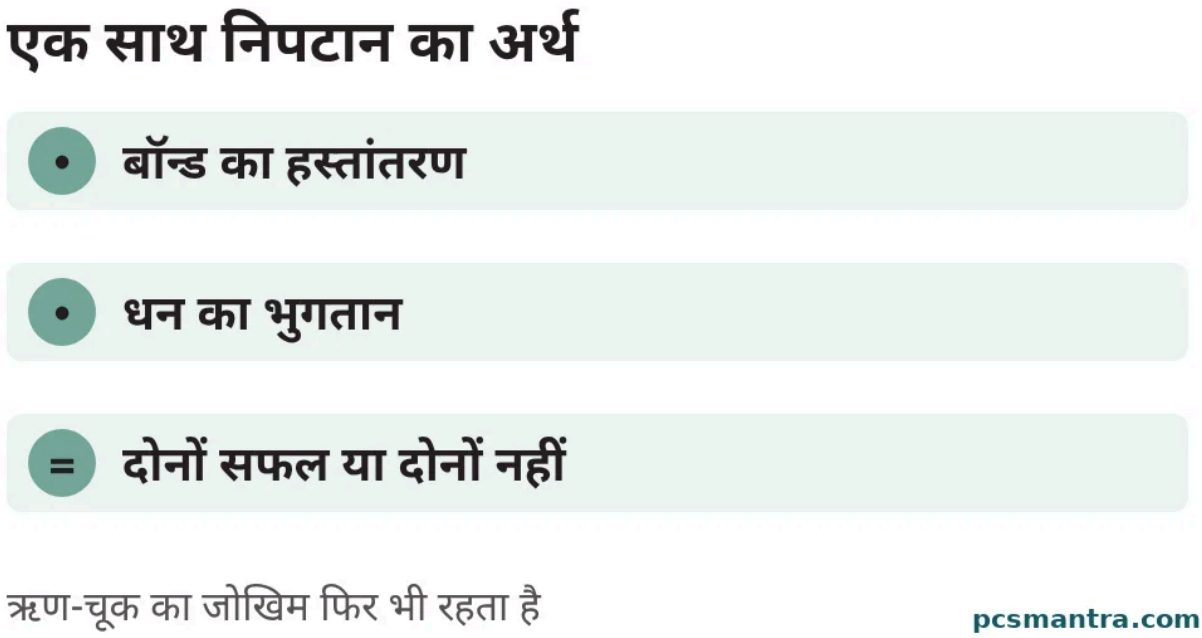
इस पायलट में बॉन्ड निजी, अनुमति-आधारित वितरित लेजर पर डिजिटल टोकन के रूप में दर्ज होता है। निर्गम की पहचान, जारीकर्ता का भुगतान दायित्व, ब्याज, परिपक्वता और निवेशक के अधिकार वही रहते हैं। टोकनीकरण अपने-आप बॉन्ड को सुरक्षित या उच्च प्रतिफल वाला नहीं बनाता।

मुख्य तथ्य

साझा रिकॉर्ड: वितरित लेजर यानी ऐसा साझा इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जो अधिकृत संस्थाओं के बीच बनाए रखा जाता है। पायलट में डिपॉजिटरी स्वामित्व के वैधानिक रिकॉर्ड की जिम्मेदारी बनाए रखती हैं; यह अनियंत्रित सार्वजनिक क्रिप्टो बाजार नहीं है।

एक साथ निपटान: बॉन्ड का हस्तांतरण और थोक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा e₹ में भुगतान जुड़े होते हैं: दोनों पूरे हों या दोनों न हों। इसे atomic Delivery-versus-Payment कहा गया है। इससे एक पक्ष द्वारा संपत्ति देने पर भी दूसरा पक्ष भुगतान न करे, उस निपटान-जोखिम को संबोधित किया जाता है।

प्रयोग की सीमा: आधिकारिक FAQ में शुरुआती भागीदारी संस्थागत बताई गई है। द्वितीयक कारोबार और खुदरा पहुँच आगे के चरणों में हैं। मौजूदा डीमैट के विस्तार तथा सहमति की जरूरत को सभी निवेशकों के लिए तत्काल सार्वभौमिक सुविधा न समझें।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

दक्षता कहाँ बढ़ सकती है और जोखिम कहाँ बचता है?

कम मिलान, कम देरी: एक ही अधिकृत रिकॉर्ड से संस्थाओं को अलग-अलग फाइलें मिलाने की जरूरत घट सकती है। स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट में लिखे निर्देश ब्याज और मूलधन भुगतान जैसे कार्य स्वचालित करने में मदद कर सकते हैं। लेकिन इन लाभों को पायलट के परीक्षण-परिणामों से परखना होगा।

पुराने आर्थिक जोखिम: जारीकर्ता की भुगतान क्षमता कमजोर हो तो डिजिटल रिकॉर्ड उसे मजबूत नहीं बनाता। ब्याज दर बदलने से कीमत में उतार-चढ़ाव और खरीदार न मिलने से तरलता की समस्या भी बनी रह सकती है।

नई परिचालन निर्भरता: सॉफ्टवेयर की गलती, साइबर हमला, सेवा बाधा या गलत डेटा से परेशानी हो सकती है। स्वचालन के साथ अपवाद, त्रुटि सुधार, शिकायत निवारण और आपात स्थिति की व्यवस्था चाहिए।

विश्लेषण और आगे की राह

विस्तार से पहले स्वामित्व की अंतिमता, नियामकीय नियंत्रण, सुरक्षा, संस्थाओं के बीच तालमेल और विफल लेन-देन से निपटने के परिणाम सार्वजनिक रूप से समझाए जाने चाहिए। FAQ अंतरिम निकास में डिपॉजिटरी के अनुरोध-आधारित हस्तांतरण की संभावना बताता है; वहाँ धन-भुगतान atomic व्यवस्था के बाहर भी हो सकता है। इसलिए हर चरण के प्रत्येक लेन-देन को समान रूप से जोखिमरहित कहना गलत है। छोटे निवेशक के लिए सहज पहुँच तभी उपयोगी होगी जब उत्पाद की समझ, लागत और वास्तविक बिक्री-तरलता भी पर्याप्त हों।

अवधारणा में अंतर

निपटान-जोखिम में लेन-देन के समय एक पक्ष का दायित्व पूरा न होने का खतरा है। ऋण-चूक जोखिम में जारीकर्ता भविष्य में ब्याज या मूलधन नहीं चुका पाता। atomic निपटान पहले खतरे को घटाने का साधन है, दूसरे की गारंटी नहीं।

मेंस दृष्टि

GS-III में पूँजी बाजार, वित्तीय तकनीक, नियमन और निवेशक संरक्षण। तकनीक की संभावनाओं को परीक्षण-स्थिति और बचे हुए जोखिमों के साथ लिखें; यह निवेश की सलाह नहीं है।

UPSC CSE Mains शैली: मौलिक अभ्यास प्रश्न

बॉन्ड टोकनीकरण बाजार की परिचालन दक्षता बढ़ा सकता है, पर निवेश के मूल आर्थिक जोखिम समाप्त नहीं करता। Demat 2.0 पायलट के संदर्भ में परीक्षण कीजिए।

(उत्तर 150 शब्दों में दीजिए) | 10 अंक

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में: Demat 2.0 को अनुमति-आधारित वितरित लेजर पर कॉरपोरेट बॉन्ड के टोकनीकरण का पायलट बताएँ। रिकॉर्ड का रूप बदलता है, जारीकर्ता का ऋण और निवेशक के कानूनी अधिकार नहीं।

मुख्य भाग में: साझा अधिकृत रिकॉर्ड से मिलान की जरूरत घटने, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट से सेवा-कार्यों के स्वचालन और ₹ में atomic Delivery-versus-Payment से निपटान-जोखिम घटाने की संभावनाएँ समझाएँ। इन्हें जारीकर्ता की ऋण-चूक, ब्याज-दर और तरलता जोखिम से अलग रखें। साइबर हमले, सॉफ्टवेयर त्रुटि और सेवा बाधा के जोखिम जोड़ें। शुरुआती संस्थागत भागीदारी, आगे के खुदरा चरण और atomic व्यवस्था से बाहर संभव अंतरिम निकास की सीमा स्पष्ट करें।

निष्कर्ष में: विस्तार को पायलट के परीक्षण-परिणाम, त्रुटि सुधार, शिकायत निवारण और नियामकीय नियंत्रण से जोड़ें। डिजिटल रिकॉर्ड को सुरक्षित निवेश या सुनिश्चित प्रतिफल की गारंटी न मानें।

स्रोत

- SEBI: 20 अगस्त की मूल टिप्पणी, तब प्रस्तावित पायलट
- SEBI की 10 सितंबर की मूल प्रेस विज्ञप्ति: आरंभ और सीमित उपलब्धियाँ
- SEBI का मूल FAQ: अधिकार, चरण, निकास और नियामकीय आधार

याद रखें: तकनीक बदलती है; बॉन्ड के कानूनी अधिकार और जारीकर्ता का भुगतान जोखिम अपने-आप नहीं बदलते।